[jain *, Vol.7 (Iss.11SE): November 2019]
चित्रकला और उसके अंतः अनुशासनिक सम्बन्ध
Painting and Its Interdisciplinary Relation

ISSN- 2350-0530(O), ISSN- 2394-3629(P)
Index Copernicus Value (ICV 2018): 86.20
DOI: 10.5281/zenodo.3587951

INTERNATIONAL JOURNAL OF RESEARCH – GRANTHAALAYAH
A knowledge Repository

Arts

भोपाल में चित्रकला शिक्षण एक अध्ययन

कु. अंकिता जैन [1]

[1] शोधार्थी (चित्रकला), शासकीय हमीदिया कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, भोपाल

शोध-सारांश

भोपाल शहर प्रारंभ से ही कलात्मक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का केन्द्र रहा है। किसी भी स्थान की कलात्मक गतिविधियों को गतिमान रखने के लिये उस स्थान की शिक्षण संस्थाओं का महत्वपूर्ण योगदान होता है। भोपाल शहर में प्रारंभ से ही अनेक शिक्षण संस्थाओं ने ललित कलाओं के संरक्षण एवं संवर्धन में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

मुख्य शब्द – भोपाल, चित्रकला, अध्ययन

Cite This Article: कु. अंकिता जैन. (2019). "भोपाल में चित्रकला शिक्षण एक अध्ययन" *International Journal of Research - Granthaalayah*, 7(11SE), 189-195. https://doi.org/10.5281/zenodo.3587951.

भोपाल शहर में कला शिक्षण की शुरूआत सन् 1964 में भाण्ड स्कूल से हुई। इस शिक्षण संस्थान की स्थापना का श्रेय स्व. श्री लक्ष्मण भाण्ड को जाता है। इस विद्यालय से लगभग 60 विद्यार्थी दीक्षित हुए। श्री सच्चिदा नागदेव एवं डॉ. रामचन्द्र भावसार ने इस स्कूल में शिक्षक की भूमिका निभाई एवं बिना वेतन के इन दोनों कलाकारों ने यहां शिक्षण कार्य किया।

- वर्तमान में भोपाल शहर में अनेकों शिक्षण संस्थाएं है, जिनमें प्रारंभिक स्तर, माध्यमिक स्तर एवं हायर सेकेण्डरी स्तर पर कला शिक्षण की व्यवस्थाएं है। विशेष रूप से भोपाल में पांच ऐसे शासकीय महाविद्यालय है, जिनमें चित्रकला शिक्षण की स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर कक्षाएं संचालित होती है, जिनमें मुख्यतः-
- शासकीय हमीदिया कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय
- शासकीय महारानी लक्ष्मी बाई कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय,
- शासकीय सरोजिनी नायडू कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय,
- शासकीय गीतांजली कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय,
- ललित कला संकाय, अटल बिहारी बाजपेयी हिन्दी विश्वविद्यालय भोपाल।

इनमें से प्रमुख महाविद्यालय के रूप में शासकीय हमीदिया कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय है, जिसमें सन् 1982 से चित्रकला विषय में शिक्षण कार्य हो रहा है।

ISSN- 2350-0530(O), ISSN- 2394-3629(P)
Index Copernicus Value (ICV 2018): 86.20
DOI: 10.5281/zenodo.3587951

कला जीवन व संस्कृति का आवश्यक अंग है। कला के अतिरिक्त ऐसा कोई माध्यम नहीं है, जो मानव जीवन को मूल रूप प्रदान करें। कला मानव की सहज अभिव्यक्ति है।
असित कुमार हाल्दार के अनुसार- "कला मानव का सात्विक गुण है जो मानव जीवन के सत्यों को सौन्दर्यात्मक एवं कल्याणकारी रूप में प्रस्तुत करती है।"[1] प्राचीन गुहावासियों से लेकर काँच की खिड़कियों से झांकने वाले मानव तक कला का विकास बढ़ता रहा है। किसी भी देश की संस्कृति उसकी आध्यामिक, वैज्ञानिक तथा कलात्मक उपलब्धियों की प्रतीक होती है। मानव संस्कृति में कलात्मक विकास का उतना ही महत्व है, जितना वैज्ञानिक उपलब्धियों का होता है। कलात्मक विकास में मुखय रूप से साहित्य, संगीत, नृत्य, स्थापत्य, मूर्तिकला एवं चित्रकला का विशेष महत्व होता है।

जब हम किसी राष्ट्र की प्रगति को देखे तो वहां की कला से ही उसकी पहचान होती है। प्रागौतिहासिक काल की अगर हम बात करते है, तो इस समय के मनुष्य ने नुकीले पत्थरों से गुफाओं पर अपने जीवन के मधुर तथा विषादमय क्षणों को उकेर कर अमर बना दिया। मोहनजोदड़ो सभ्यता, हड़प्पा संस्कृति का इतिहास भी हमें वह की माटीकला, स्थापत्य कला, सड़क निर्माण आदि कलाओं से ही पता चला है। जब हम किसी राष्ट्र की संस्कृति का मूल्यांकन करते है, तो उस राष्ट्र की वास्तुकला, स्थापत्य कला या अन्य कलाओं के आधार पर ही करते है।

वैसे ही किसी संस्था का मूल्यांकन करते है, तो उस संस्था के शिक्षक, छात्र, पेड़-पौधें, दिवारें आदि दिखायी पड़ते है, लेकिन जब हम किसी ऐसी संस्था को देखते है, जिनमें कलात्मक गतिविधियाँ संचालित होती है, वह संस्था अन्य संस्थाओं से भिन्न दिखायी पड़ती है। जिन संस्थाओं में साहित्य, संगीत, नृत्य, वास्तु कला एवं चित्रकला आदि कलाओं का संचालन होता है, वहां कुछ अलग ही माहौल देखने को मिलता है और शासकीय हमीदिया कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय भी इन सब चीज़ों से अछूता नहीं है।

प्रदेश के सर्वश्रेष्ठ महाविद्यालयों में से एक होने के साथ-साथ महाविद्यालय का चित्रकला विभाग, प्रदेश का सर्वश्रेष्ठ चित्रकला विभागों में से एक है। इस विभाग में प्रदेश से ही नहीं अपितु सम्पूर्ण भारत वर्ष से विद्यार्थी कला शिक्षण प्राप्त करने आते है। हमीदिया महाविद्यालय का चित्रकला विभाग ही भोपाल संभाग का एकमात्र ऐसा विभाग है, जहां ललित कला के अंतर्गत चित्रकला विषय में छात्रों के अध्ययन की व्यवस्था है।

प्रारंभ में महारानी लक्ष्मीबाई महाविद्यालय में छात्रों को स्वाध्यायी रूप से चित्रकला विषय की परीक्षा देने जाना पड़ता था, जिससे छात्रों को बहुत सी कठिनाईयों का सामना करना पड़ता था। इस समस्या को ध्यान में रखते हुए, शासन द्वारा यह निर्णय लिया गया कि छात्रों का एक अलग विभाग होना चाहिए, इस विचार धारा को आगे बढ़ाते हुए हमीदिया महाविद्यालय में सन् 1982 में चित्रकला विभाग की स्थापना की गयी। हमीदिया महाविद्यालय में चित्रकला विभाग की स्थापना का श्रेय डॉ. लक्ष्मीनारायण भावसार को जाता है। प्रारंभ में श्री राजाराम शर्मा एवं डॉ. लक्ष्मीनारायण भावसार जी ने विभाग को एक साथ मिलकर चलाया। चित्रकला विभाग के प्राध्यापक डॉ. लक्ष्मीनारायण भावसार ने सन् 1982 से सन् 2000 (सेवानिवृत्ति तक) अपना योगदान विभाग को प्रदान किया। डॉ. मंजूषा गांगूली सन् 2000 से 2013 तक, डॉ. आलोक भावसार 2013 से निरन्तर वर्तमान तक प्राध्यापक रूप में अपना योगदान प्रदान कर रहे है। वही सहायक प्राध्यापक के रूप में क्रमशः श्री बी.एल. सिंहरोडिया 1987-1994 तक, डॉ. रेखा धीमान 1994 से निरन्तर वर्तमान तक विभाग में कार्यरत है।

चित्रकला विभाग में प्राध्यापक का एक पद तथा सहायक प्राध्यापक का एक पद स्वीकृत है। वर्तमान विभागाध्यक्ष डॉ. आलोक भावसार को बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल द्वारा सन् 2015 में - "मध्यप्रदेश के समकालीन चित्रकारों की कलाकृतियों का समीक्षात्मक अध्ययन" नामक विषय पर डी.लिट की उपाधि से

ISSN- 2350-0530(O), ISSN- 2394-3629(P)
Index Copernicus Value (ICV 2018): 86.20
DOI: 10.5281/zenodo.3587951

नवाज़ा गया। डॉ. आलोक भावसार न केवल प्रदेश के बल्कि पूरे भारत वर्ष के जाने माने कला शिक्षकों में से एक है। न केवल शहर में अपितु पूरे देश के प्रसिद्ध कला शिक्षण संस्थानों में इन्हें डेमोन्स्ट्रेशन के लिए आमंत्रित किया जाता है। कलाशिक्षण और भारतीय चित्रकला में आपका अमूल्य योगदान रहा है। साथ ही विभाग कि सह-प्राध्यापिका डॉ. रेखा धीमान द्वारा - "कला एवं पर्यावरण एक अध्ययन मध्यप्रदेश के प्रमुख दृद्गय चित्रकारों के संदर्भ में" शोध कार्य किया गया। राष्ट्रीय सेमिनार हिस्ट्री कांग्रेस मानव संग्रहालय में सहभागीता की।

प्रारंभ में यह विभाग केवल छात्रों के लिए ही मान्य था। परंतु डॉ. मंजूषा गांगुली के कार्यकाल में उनके सतत् प्रयासों द्वारा मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा विभाग से विशेष अनुमति लेकर चित्रकला विभाग में छात्राओं के लिए भी कला शिक्षण प्रारंभ किया गया। वर्तमान समय में इस विभाग में छात्रों से ज्यादा छात्राओं की संखया है। केवल स्नातकोत्तर कक्षाओं में ही छात्राओं को प्रवेश दिया जाता है।

हमीदिया महाविद्यालय का चित्रकला विभाग एक ऐसा विभाग है, जहां विद्यार्थी पूर्णताः स्वतंत्र होकर कार्य करता है। विभाग में आकर किसी भी विद्यार्थी को ऐसा नहीं लगता है कि वह किसी शिक्षण संस्थान में आया है, बल्कि एक पारिवारिक माहौल में आकर कार्य करता है। शिक्षकों और छात्रों के बीच संवाद की स्थिति बेहद पारदर्शक है, अन्य स्थानों पर इतनी सहजता नहीं दिखायी पड़ती है। संवाद की इसी विशेषता की वजह से छात्र विभाग में चुम्बकीय होकर कार्य करते है। चित्रकला विभाग में केवल अन्दर आने का रास्ता है, बाहर जाने का नहीं। चाहे वहां विद्यार्थी हो या हमीदिया महाविद्यालय परिवार का सदस्य हो, विभाग का कलात्मक वातावरण उसे हमेशा विभाग से जोड़े रखता है।

वर्तमान में विभाग के पास दो चित्रकला प्रयोगशाला है, जिनमें पहली प्रयोगद्गााला महाविद्यालय के ए ब्लाक के प्रथम तल पर एवं दूसरी प्रयोशाला भू-तल के ए-6 कक्ष में संचालित हो रही हैं। "चित्रकला प्रयोगद्गााला में कम्प्यूटर से लेकर अधुनातन उपकरण तथा जर्नल्स, तथा मूर्तिशिल्प उपलब्ध है।"[2]

"चित्रकला विभाग से जब बाहर की ओर झांकते है, तो ऐसा लगता है, कि पूरा महाविद्यालय एक बड़ी नाव या जहाज के रूप में अवस्थित है"[3]

विभाग में स्नातक स्तर पर 30 छात्र एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में लगभग 50 विद्यार्थी शिक्षारत् है। इनके अलावा स्नातक और स्नातकोत्तर कक्षाओं में स्वाध्यायी विद्यार्थी भी कला शिक्षण प्राप्त कर रहें है। सन् 2013 से लगातार इस विभाग में छात्र संखयाओं में बढ़ोत्तरी हो रही है। और विद्यार्थी कला शिक्षण से लाभान्वित हो रहें हैं।

वार्षिक पद्धति के अनुसार चित्रकला विषय की स्नातक कक्षाओं के पाठ्यक्रम के अंतर्गत सैध्दांतिक विषय- कला के मूल आधार, भारतीय चित्र कला का इतिहास, भारतीय मूर्तिकला का इतिहास एवं क्रियात्मक विषय- स्थिर चित्रण, आलेखन, चित्र संयोजन, मूर्तिशीर्ष चित्रण, व्यक्ति चित्रण, अवाक्ष चित्रण, सचित्र चित्रण आदि पढ़ाया जाता है।

शोध केन्द्र के रूप में हमीदिया महाविद्यालय को बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल से मान्यता प्राप्त है। चित्रकला विभागाध्यक्ष डॉ. आलोक भावसार, बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय से पंजीकृत शोध निर्देशक है। जिनके निर्देशन में कु. अंकिता जैन एवं सह-निर्देशन में श्रीमति अस्मिता चौधरी चित्रकला विषय में शोध कर रहीं है।

ISSN- 2350-0530(O), ISSN- 2394-3629(P)
Index Copernicus Value (ICV 2018): 86.20
DOI: 10.5281/zenodo.3587951

पाठ्यक्रम के अलावा विभाग में कम्प्यूटर ग्रफिक्स प्रशिक्षण, मूर्तिकला प्रशिक्षण, प्रिंट मेकिंग, भित्ति चित्रण, आधुनिक चित्रकला, आंतरिक साज-सज्जा, कोलाज कला, कार्टून कला, शिल्प कला आदि का प्रशिक्षण भी इच्छूक विद्यार्थियों को प्रदान किया जाता है।

छात्रों की विशेष उपलब्धियों के अंतर्गत:-

चित्रकला संकाय के स्नातक तथा स्नातकोत्तर छात्रों का परीक्षा परिणाम शत्प्रतिशत रहता है। स्नातकोत्तर स्तर पर विश्वविद्यालय की प्रावीण्य सूची में चित्रकला विभाग के पूर्व छात्र श्री धर्मेन्द्र मेवाड़े सत्र 2015-16, श्री कुणाल बागड़े सत्र 2016-17, श्रीमती जूही आब्दी सत्र 2017-18 ने लगातार "स्वर्ण पदक" अर्जित किये है।

विभाग के छात्रों ने युवा उत्सव में अनेक पुरूस्कार प्राप्त किये है। अंर्तमहाविद्यालयीन स्तर, महाविद्यालयीन स्तरीय, जिला स्तरीय, विश्वविद्यालय स्तरीय एवं राज्य स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता में विजय गहरवार एवं रंगोली प्रतियोगिता में कु. दिव्या पोरवाल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। राष्ट्रीय स्तर युवा उत्सव में राँची (झारखण्ड) सत्र 2017-18 में रंगोली में प्रथम स्थान दिव्या पोरवाल ने एवं स्थल चित्रण में तृतीय स्थान विजय गहरवार ने प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम रोशन किया।

शहर में कला संबंधित आयोजित समस्त प्रतियोगिताओं, प्रदर्शिनियों, कार्यशालाओं, शिविर, मेले आदि में चित्रकला विभाग के छात्रों का योगदान लगातार बना रहता है। गत वर्ष हुई चित्रकला प्रदर्शिनियों- रंगोत्सव चित्रकला प्रर्दशनी, फनकार कला प्रर्दशनी, धुलिकण चित्रकला प्रदर्शनी, भोपाल ऑन केनवास, तूर्यनाद, राष्ट्रीय अखिल भारतीय परिषद वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित चित्रकला प्रदर्शनी आदि में विभाग के अधिकतर छात्रों ने भाग लिया।

पिक्चर परफेक्ट- स्मार्टफोन फोटोग्राफी प्रदर्शनी 2017, 2018 में विभाग के अधिकार छात्रों ने भाग लिया इस प्रदर्शनी की आयोजक विभाग की पूर्व छात्रा कु. पूजा देशमुख है।

श्री ओ.पी. जाड़िया स्मृति पुरूस्कार एवं प्रदर्शनी- ग्वालियर 2017, थ्च्छम्ज् पुरूस्कार एवं राष्ट्रीय प्रदर्शनी- इंदौर 2017, आर्ट माइस्ट्रो अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी- केरल 2017, ललित्य राष्ट्रीय कला शिविर नागपुर 2017 में कु. अंकिता जैन भागीदारी की।

ज्थ्थ्- टाइगर लैण्ड फिल्म फेस्टीवल 2016 में फिल्म अभिनेत्री वाहिदा रहमान द्वारा धर्मेन्द्र मेवाड़े, विजय गहरवार एवं साबिर पुरूस्कृत हुए। टाइगर लैण्ड फिल्म फेस्टिवल 2017 में अंकिता जैन, तृप्ति पोरवाल एवं साबिर पुरूस्कृत हुए।

भारत भवन का 36वां वर्षगांव 2017 के अवसर पर आयोजित चित्रकला शिविर में विभाग के सात छात्रों को आमंत्रित किया गया जिसमें अंकिता जैन, वर्षा यदुवंशी, विजय गहरवार, निखिल खत्री, जितेन्द्र परमार, साबिर एवं सिध्दार्थ त्रिपाठी शामिल हुए। भोपाल के अलावा इंदौर, जबलपुर एवं ग्वालियर से कलाकारों को आमंत्रित किया गया था।

खजुराहो आर्ट-मार्ट फेस्टिवल 2016 में विभाग की पूर्व छात्रा श्रीमती सुचिता राय को प्राफुल्ला धानुकर पुरूस्कार द्वारा सम्मानित किया गया।

ISSN- 2350-0530(O), ISSN- 2394-3629(P)
Index Copernicus Value (ICV 2018): 86.20
DOI: 10.5281/zenodo.3587951

गिनीज वर्ल्ड ऑफ रिकॉर्ड 2018, पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में एक पेड़ एक जिंदगी नामक चित्रकला रिकॉर्ड, शिवाजी स्टेडियम- दिल्ली में बनाया गया, जिसमें पूरे देश के कलाकारों ने भागीदारी दी और चाइना द्वारा बनाया रिकॉर्ड को तोड़ा गया। यह कार्य कलाकार फॉउण्डेशन द्वारा आयोजित कराया गया। जिसे कौशल विकास उद्यमिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजक किया गया था। जिसमें विभाग के 3 छात्र अंकिता जैन, धर्मेन्द्र मेवाड़े, एवं दिव्या पोरवाल ने हिस्सा लिया।

हमारा प्रण भोपाल नं. 1, नामक "स्वच्छ भारत" अभियान 2016 के तहत, कलेक्ट्रेट कार्यालय की दीवार पर चित्रांकन कर विभाग के छात्र:- मोरध्वज प्रसाद तिवारी, अंकिता जैन, निखिल खत्री, विजय कीर एवं रवि कुशवाह पुरूस्कृत हुए।

राज-भवन भोपाल की दिवारों पर "योग मुद्राओं" का चित्रांकन विभाग के छात्र मिथलेश भारती द्वारा किया गया, जो कि बहुत सराहनीय है।

ळप्थ्स्थ्- ग्रेट इंडियन फिल्म एण्ड लिटरेचर फेस्टिवल 2018 भोपाल, में अंकिता जैन ने भाग लिया एवं फिल्म अभिनेत्री तापसी पन्नू से मुलाकात की।

खादी ग्रामोद्योग ग्रामीण विकास बोर्ड द्वारा आयोजित खादी उद्योग उत्सव 2018 में विभाग के छात्र बंसी मन्शारे, धर्मेन्द्र मेवाड़े एवं अंकिता जैन ने रंगोली प्रतियोगिता में भाग लिया, एवं डॉ. मधु खरे आइ.ए.एस. मध्यप्रदेश खादी ग्रामोद्योग मण्डल की सचिव द्वारा प्रमाण पत्र प्राप्त किये।

मध्यप्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा "जलवायु परिवर्तन जैवविविधता एवं मानव अस्तित्व" विषय पर आधारित चित्रकला प्रतियोगिता 2018 में विजय गहरवार प्रथम, एवं साबिर ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

छात्रों का मनोबल बढ़ाने उन्हें प्रोत्साहित करने हेतु महाविद्यालय में प्रति वर्ष वार्षिक उत्साह का आयोजन किया जाता है, जिसमें सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया जाता है, एवं महाविद्यालय के उत्कर्ष विद्यार्थियों को "प्रतिभा सम्मान" से सम्मानित किया जाता है। वर्ष 2016-17 के बहु प्रतिभावान छात्र के रूप में श्री विजय गहवार, श्रीमती सुचिता रॉय, एवं दिव्या पोरवाल को चुना गया। सत्र 2017-18 के बहुप्रतिभावान छात्र कु. अंकिता जैन, विजय गहरवार, कुणाल बागड़े एवं साबिर को "प्रतिभा सम्मान" से सम्मानित किया गया।

वर्ष 2014 में चित्रकला विभाग द्वारा "भारतीय समकालीन कला में नवाचार" नामक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया था। संगोष्ठी का प्रयोजन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग मध्यक्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल एवं चित्रकला विभाग, हमीदिया महाविद्यालय था। इस संगोष्ठी में पूरे भारत वर्ष से कलाकार, कला शिक्षक, शोधार्थी, छात्र एवं कला प्रेमी भी उपस्थित हुए।

भारत सरकार एवं सांस्कृतिक विभाग मध्यप्रदेश द्वारा आदि शंकर्राचार्य व्याख्यान माला 2018 के अंतरर्गत शंकराचार्य के सिध्दांत "अद्वैत वेदांत" पर आधारित दो दिवसीय चित्रकला कार्यशाला का आयोजन मिन्टो हॉल (पुरानी विधान सभा) में किया गया। यह कार्यशाला पूर्णतः डॉ. लक्ष्मी नारायण भावसार के निर्देशन एवं संरक्षण में संपन्न हुई। इस कार्यशाला में भोपाल के लगभग 45 कलाकारों के आदि शंकराचार्य के सिंध्दातों पर आधारित कलाकृतियों का निर्माण किया। हमीदिया महाविद्यालय के चित्रकला विभाग से विभागाध्यक्ष डॉ. आलोक भावसार, डॉ. रेखा धीमान ने भी कार्यशाला में बेहद खुबसूरत कलाकृतियों का चित्रांकन किया। साथ ही अंकिता जैन (शोधार्थी), विजय गहरवार, साबिर, सिध्दार्थ त्रिपाठी, स्वप्निल रॉव, धर्मेन्द्र मेवाड़े, पूजा देशमुख,

ISSN- 2350-0530(O), ISSN- 2394-3629(P)
Index Copernicus Value (ICV 2018): 86.20
DOI: 10.5281/zenodo.3587951

मोरध्वज तिवारी, जितेन्द्र परमार, बंशी मँशारे, फातिमा एवं प्रगति चौरसिया ने भाग लिया जो महाविद्यालय के लिए अति गौरव की बात है।

अतंराष्ट्रीय चित्रकला प्रदर्ह्रानी में विभाग की शोधार्थी कु. अंकिता जैन ने कोच्चि, केरल में 4 दिवसीय प्रदर्शनी दिनांक 19-22 अप्रैल 2019 में भाग लिया। इस प्रदर्शनी में पूरे भारत वर्ष से कुल 10 कलाकारों को ही शमिल होने का मौका मिला, जिसमें कु. अंकिता जैन एवम् विभाग के पूर्व छात्र धर्मेद्र मेवाड़े भी शमिल हुए। कलाकारों ने अपने चित्रों को पॉच सितारा होटल ताज मालाबार कोच्चि में प्रदर्शित किया।

लोकसभा निर्वाचन 2019, मतदान को प्रोत्साहित करने हेतु विभाग द्वारा रंगोली, कार्टून एवम् पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया एवं अधिक से अधिक मतदाताओं की जागरूक कर एक सफल निर्वाचन को प्रोत्साहित किया।

चित्रकला विभाग कि विशेष उपलब्धियों के अंतरर्गत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा- जूनियर रिसर्च फेलोशिप प्राप्त शोधार्थी श्रीमती अस्मिता चौधरी एवं मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय फेलोशिप प्राप्त शोधार्थी कु. अंकिता जैन दोनों ही भारत सरकार द्वारा लाभावन्ति है। अंकिता जैन डॉ. ओलाक भावसार, विभागाध्यक्ष के निर्देशन में एवं अस्मिता चौधरी सह-निर्देशन में अपना शोध कार्य पूर्ण कर रही है। एवं डॉ. रेखा धीमान सह-प्राध्यापिका अपना पूर्ण सहयोग शोधार्थियों को उनके शोध कार्य में प्रदान कर रहीं है। दोनो शोधार्थी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशा-निर्देशानुसार चित्रकला विभाग में शिक्षण कार्य भी कर रही है।

"विभाग के पूर्व छात्रों द्वारा प्रसिद्ध चित्रकार 'राजा रवि वर्मा' के चित्रों की प्रतिकृतियाँ एवं भोपाल के प्रकृतिक सौन्दर्य का चित्रण करवाया गया, जो विभाग में संग्रहित है।"[4]

विभाग में छात्रों के रचनात्मक विकास तथा व्यवसाय के संदर्भ में भित्ति चित्रण प्रशिक्षण, क्ले मॉडलिंग कार्यशाला, कम्प्यूटर ग्रफिक्स प्रशिक्षण, व्यक्तिचित्रण प्रशिक्षण, प्लास्टर ऑफ पैरिस विधा का प्रशिक्षण इत्यादि विभाग की विशेष गतिविधियों में शामिल है।

दीपावली के अवसर पर विभाग द्वारा "कला मेला" (स्वरोजगार के संदर्भ में) प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है।

"यंग थिंकर्स कॉन्क्लेव" 2019 के तहत पीपुल्स यूनिर्वसिटी भोपाल में आयोजित दो दिवसीय चित्रकला प्रदर्शनी में विभाग के सात छात्र-छात्राओं - कु. अंकिता जैन, साबिर, सिद्धार्थ त्रिपाठी, मयूरी नेमा, समीक्षा भार्गव, लवीना चंदवानी एवं योगेश यादव ने भाग लिया व 10 विश्वविद्यालयों द्वारा हस्ताक्षरित प्रमाण भी प्राप्त किया।

शासकीय हमीदिया कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय द्वारा ल्ब्टच् नरोन्हा प्रद्ग्रासन अकादमी में आयोजित तीन दिवसीय अखिल भारतीय दर्शनशास्त्र अधिवेशन में माननीय राज्यपाल महोदय श्री लालजी टण्डन के सम्मुख दिनांक 19.10.2019 को लाईव पेन्टिग बनाने का अवसर विभाग के पांच चुन्निदा छात्रों- साबिर, धमेन्द्र मेवाडे, सिद्धार्थ त्रिपाठी, विजय गहरवार एवं कु. अंकिता जैन को प्राप्त हुआ।

ISSN- 2350-0530(O), ISSN- 2394-3629(P)
Index Copernicus Value (ICV 2018): 86.20
DOI: 10.5281/zenodo.3587951

निष्कर्ष-

मध्यप्रदेश की कलात्मक गतिविधियों में शासकीय हमीदिया महाविद्यालय के चित्रकला विभाग का विद्रोष योगदान रहा है, वो सिर्फ कागज़ों में नहीं बल्कि मूर्त रूप में निखरकर बाहर आया है। जब भी भोपाल शहर, प्रदेश या देश में कोई भी विशेष चित्रकला कार्य होता है, तो विभाग के छात्रों को आमंत्रित किया जाता है। कलाकार या तो चित्रकला विभाग का पूर्व छात्र होता है या वर्तमान छात्र होता है। महाविद्यालय के लिए यह अतिगौरव की बात है कि चित्रकला विभाग के छात्र देश के कोने-कोने में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर महाविद्यालय का नाम रोशन कर रहे है।

"हमीदिया महाविद्यालय की गौरवशाली परंपरा में यहां के विद्यार्थियों और शिक्षकों ने इस सत्र में भी प्रादेशिक, राष्ट्रीय ही नहीं अपितु अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी ध्वज पताका लहराई है। किसी संस्था प्रमुख के लिए इससे अधिक गौरव के क्षण नहीं हो सकते।"[5]

संदर्भ सूची-

[1] डॉ. अविनाश बहादुर वर्मा, भारतीय चित्रकला का इतिहास, प्रकाश बुक डिपो बरेली, 2012, पृष्ठ क्र.1
[2] डॉ. मंजूषा गांगूली, वार्षिक पत्रिका- 2007-2008, शासकीय हमीदिया कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, भोपाल।
[3] डॉ. आलोक भावसार- सौवेनीयर- भारतीय समकालीन कला में नवाचार 2014, प्रायोजक विश्वविद्यालय अनुदान आयोग मध्यक्षेत्रीय कार्यालय भोपाल एवं चित्रकला विभाग हमीदिया महाविद्यालय, भोपाल।
[4] डॉ. रेखा धीमान से दिनांक 18 अक्टूबर 2018 को विभाग के संबंध में की गई परिचर्चा के अनुसार।
[5] डॉ. पी. के. जैन (प्रभारी प्राचार्य)- हमीदिया दर्पण अंक-05, सन् 2018, शासकीय हमीदिया कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय भोपाल।